पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.11.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-11 कार्तिक-2080 दयानन्दाब्द 200 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2023 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.11.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जहां नहीं होता कभी विश्राम — ओ३म् — आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

200वीं महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती 1824-2024

140वें महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के बलिदान दिवस पर

भव्य संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

सोमवार, 13 नवम्बर 2023, सायं 4.00 से 7.30 बजे तक

स्थान: आर्य समाज डेरावाल नगर, ब्लाक-ए, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन मॉडल टाउन)

गायक कलाकार

श्री विजय आनन्द आर्य (फिरोजपुर) ★ **पिंकी आर्या** ★ **नरेश खन्ना**

यज्ञ ब्रह्मा : आचार्य अखिलेश त्रिपाठी जी :-: **मुख्य यजमान:** लवली-सुरेश आर्य, करुणा-तिलक चांदना (CA)

मुख्य अतिथि : डॉ. हर्ष वर्धन जी (सांसद), श्रीमती बॉसुरी स्वराज (वरिष्ठ अधिवक्ता), श्री विकेश सेठी (पार्षद)

अध्यक्षता: श्री ओम सपरा (प्रधान, उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मंडल (पंजीकृत)

गरिमामयी उपस्थिति: सर्वश्री आनन्द चौहान, डॉ. महेन्द्र नागपाल (पूर्व विधायक), योगेश वर्मा (पार्षद), रेखा गुप्ता (पार्षद), मोहिनी-यशपाल आर्य, आर.पी. सूरी, सुरेन्द्र बुद्धिराजा, डॉ. विपिन खेड़ा, सुशील बाली, सत्यानन्द आर्य, सुनीता बुग्गा, शीला ग्रोवर, गायत्री मीना, अमरसिंह सहरावत, अनिता कुमार, विजय पाहुजा, रवि चड्डा, सुरेन्द्र गुप्ता, डॉ. विनोद खेत्रपाल, डिम्पल-नीरज भंडारी, अंकुश विज, सीमा ढींगरा, नरेन्द्र आर्य 'सुमन', अजय गोयल, राकेश सखूजा, लॉयन प्रमोद सपरा, अनिता ग्रोवर, कृष्ण कुमार यादव, कृष्णचन्द आर्य, शंकर गुप्ता, अभयदेव शास्त्री, कुंवरपाल शास्त्री, प्रवीन बत्रा, देवेन्द्र आर्य, गजेन्द्र आर्य, संजय खत्री, एस.पी. जून, प्रवीन तायल, राधा भारद्वाज, संजीव आर्य

आमन्त्रित आर्य नेता: सर्वश्री आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, धर्मपाल परमार, अरूण आर्य, अमरनाथ बत्रा, आदर्श आहूजा, अन्जू जावा, डॉ. धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता, सोहनलाल मुखी, व्रतपाल भगत, सोहनलाल आर्य, विकास गोगिया, राजेश मेहन्दीरत्ता, सुदेश डोगरा, राकेश खुल्लर, प्रेमकुमार सचदेवा,जीवन लाल आर्य, राजेश आहुजा, आशा भटनागर, राजरानी अग्रवाल, राजेश जुनेजा, अशोक कथुरिया, ब्रह्मप्रकाश मान, मनोज मान, धर्मदेव खुराना, ओमप्रकाश नागिया, सुरेन्द्र कोछड़, ज्योति ओबराय, कै. अशोक गुलाटी, वीरेश आर्य, गोपाल आर्य, नेत्रपाल आर्य, वीरेन्द्र आहूजा, सोमनाथ पुरी, आनन्द प्रकाश गुप्ता, अमित मान, भोपाल सिंह आर्य, कस्तूरी लाल मक्कड़, ईश कुमार गक्खड़, उर्मिला-महेन्द्र मनचन्दा, किरण सेठी, मीना आर्या, नरेन्द्र अरोड़ा, डालेश त्यागी, वरुणेंद्र कथूरिया, सुनीता महरोत्रा, अनिल मित्रा, डॉ. रचना चावला, सौरभ नैय्यर, रामकुमार बरार, राजू कोहली, मनोज दुआ, सोनिया संजू, कृष्ण बवेजा, संतोष कुमार

आर्य महिला रत्न अवार्ड से सम्मानित होगें

श्रीमती पुष्पा विज	श्रीमती अरुणा आर्या	श्रीमती सरिता वर्मा
श्रीमती नीलम गुप्ता	श्रीमती शारदा कत्याल	श्रीमती इन्दु गुप्ता
श्रीमती विमला आहुजा	श्रीमती वीना भाटिया	सुश्री मनीषा कथूरिया
श्रीमती शान्ति आर्या	श्रीमती उमा वर्मा	श्रीमती अनिता रेलन
श्रीमती सुषमा पाहुजा	श्रीमती आरती खुराना	श्रीमती ममता शर्मा

ऋषि लंगर रात्रि : 7:30 बजे, प्रबन्धक:- अरुण आर्य, सौरभ गुप्ता, वरूण आर्य, रोहित आर्य, गौरव झा

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

दर्शनाभिलाषी

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	अविनाश चुघ स्वागत अध्यक्ष	पुष्पा विज प्रधान आर्यसमाज
रामकुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री	प्रवीन आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	मनोज खत्री मंत्री समाज
वेद प्रकाश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	संतोष शास्त्री राष्ट्रीय मन्त्री	गवेन्द्र शास्त्री बौद्धिकाध्यक्ष	ओमप्रकाश तनेजा कोषाध्यक्ष

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9958889970, 9013137070
E-mail: aryayouth@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com join-http://www.facebook.com/group/aryayouth

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 584वां वेबिनार सम्पन्न

148 वीं सरदार पटेल जयंती सम्पन्न

आधुनिक भारत के शिल्पकार थे सरदार पटेल –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 31 अक्टूबर 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 148 वीं जयन्ती पर सरदार वल्लभ भाई पटेल को आर्य गोष्ठी का आयोजन कर स्मरण किया गया।उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नाडियाड में 31 अक्टूबर,1875 को हुआ था।भारत को संगठित बनाने में आपकी विशेष भूमिका मानी जाती है। सरदार पटेल को भारत की 565 रियासतों का विलय करके अखण्ड भारत के निर्माण के लिए याद किया जाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सरदार पटेल आधुनिक भारत के शिल्पिकार थे,वह स्पष्ट एवं निर्भीक वक्ता रहे उनकी निर्णायक क्षमता अदभुत थी।स्वतन्त्रता के बाद उन्हें भारत का उपप्रधानमन्त्री तथा गृहमन्त्री बनाया गया।गृहमन्त्री होने के कारण रजवाड़ों के भारत में विलय का विषय उनके पास था।सभी रियासतें स्वेच्छा से भारत में विलीन हो गयीं थी,पर जम्मू– कश्मीर, जूनागढ़ तथा हैदराबाद ने टेढ़ा रुख दिखाया।सरदार की प्रेरणा से जूनागढ़ में जन विद्रोह हुआ और वह भारत में मिल गयी।हैदराबाद में आर्य समाज का आन्दोलन व फिर पुलिस कार्यवाही कर उसे भारत में मिला लिया गया।यदि सरदार पटेल न होते तो हिन्दुस्तान का वर्तमान रूप ऐसा न होता,हिन्दुस्तान खण्ड खण्ड में विभाजित होता।रजवाड़ों रियासतों का हिन्दुस्तान में विलय करने का श्रेय सरदार पटेल को ही जाता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आजादी का मतलब समझें और राष्ट्र की एकता अखण्डता की रक्षा का संकल्प लें।देश की वर्तमान विषम परिस्थितियों में सरदार पटेल बहुत याद आते हैं आज पुनः उनकी नीतियों पर चलने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि सरदार पटेल गंभीर चिन्तक, बहुआयामी, आदर्शवादी व व्यवहारिक व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्र के प्रति उनका प्रेम अद्वितीय था।वर्ष 1928 में गुजरात में बारडोली सत्याग्रह हुआ जिसका नेतृत्व वल्लभ भाई पटेल ने किया।उस समय प्रान्तीय सरकार किसानों से भारी लगान वसूल रही थी।सरकार ने लगान में 30 फीसदी वृद्धि कर दी थी।जिसके चलते किसान बेहद परेशान थे।वल्लभ भाई पटेल ने सरकार की मनमानी का कड़ा विरोध किया।बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को श्सरदारश् की उपाधि दी।अगर आजादी के बाद नेहरू की जगह प्रधानमंत्री सरदार पटेल बनते तो आज कश्मीर व अलगावाद की समस्या नहीं होती। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रवीन आर्य (गाजियाबाद) ने कहा कि सरदार पटेल के विचार से व्यक्ति की अधिक अच्छाई उसके मार्ग में बाधक है,इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिए।निडर होकर अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने में सर्वदा आगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने पटेल की जगह नेहरू को प्रधान मंत्री बनवा कर अनर्थ किया। आर्य नेता यशोवीर आर्य ने कहा कि भारत के राजनीतिक एकीकरण में लौहपुरूष,भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। गायिका रामदेवी, सरला बजाज, जनक अरोड़ा, कुसुम भण्डारी, आदर्श सहगल, कौशल्या अरोड़ा,पिंकी आर्या, सुनीता अरोड़ा,कमला हंस,रविन्द्र गुप्ता,उषा सूद, गीता शर्मा आदि ने गीतों के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के समारोह की झलकियां

रविवार 8 अक्टूबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती 200 वी जयंती महोत्सव आर्य समाज डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली में खचाखच भरी यज्ञ शाला व सभागार का सुन्दर दृश्य। आर्य जनता से मिले स्नेह सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

शुद्धि सभा की शताब्दी व आर्य समाज महावीर नगर का उत्सव सम्पन्न

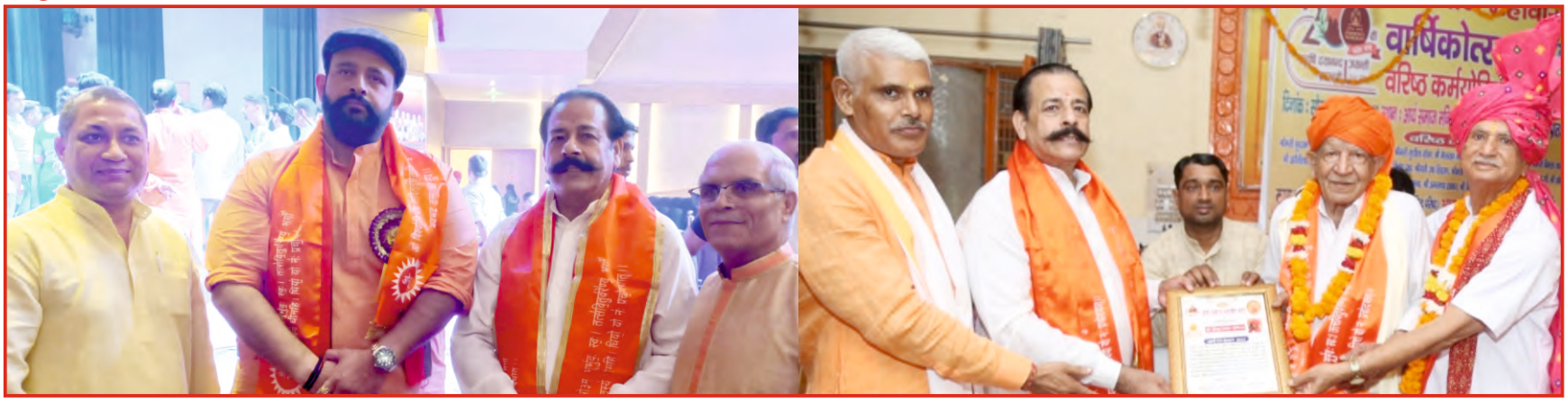

सोमवार 2 अक्टूबर 2023, अखिल भारतीय शुद्धि सभा का शताब्दी समारोह आर्य समाज ग्रेटर कैलाश पार्ट 1, नई दिल्ली के सभागार में आयोजित किया गया। विभिन्न वक्ताओं ने घर वापिसी अभियान को जोर शोर से चलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। महामंत्री सुभाष दुआ ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र में आर्य समाज महावीर नगर दिल्ली का वार्षिक उत्सव सम्पन्न हुआ चित्र में वरिष्ठ समाज सेवी का अभिनंदन करते अनिल आर्य,प्रधान यशपाल आर्य, माया राम शास्त्री व आचार्य सतीश सत्यम ।

30 अक्टूबर 1883 को हुआ था अजमेर में बलिदान
140 वां महर्षि दयानंद बलिदान दिवस सम्पन्न

महर्षि दयानंद का बलिदान सदियों तक मार्ग प्रशस्त करता रहेगा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार,30 अक्तूबर 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती के 140 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर 1883 को अजमेर में स्वामी जी का बलिदान हुआ था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद ने जो प्रकाश की लो जलाई थी उसका प्रकाश सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।स्वामी जी ने एक वैचारिक क्रान्ति का शंखनाद किया था जिसने लोगों के सोचने की दिशा ही बदल डाली।आज भी स्वामी दयानन्द जी के विचार प्रसांगिक हैं और उसका प्रकाश सब और छा रहा है आज पाखंड अंधविश्वास के प्रति जागरूकता बढ़ी है।उन्होंने समग्र क्रांति का शंखनाद किया और हर चीज को तर्क की कसौटी पर उतारने का मापदंड दिया।उन्हें वेदो वाला ऋषि भी कहा जाता है उन्होंने लुप्त हुए वेदों को जर्मनी से मंगा कर पुनर्स्थापित किया।स्वामी जी ने कहा कि कोई कितना ही करे पर ष्स्वदेशी राज्य सर्वोत्तमष है।उनसे प्रेरणा पाकर हजारों नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।महर्षि दयानन्द की जलाई मशाल को अर्थात् परोपकार के कार्यों को हाथ में लेकर पुण्य कार्यों को तब तक लेकर आगे बढ़ना होगा,जब तक सभी दीप प्रदीप्त न हो जाएँ, चारों ओर प्रकाश न फैल जाए। मुख्य अतिथि आर्य नेता राजेश मेंहदीरता ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में उसके कर्मो से सुगंध आनी चाहिए।यदि आपकी उपस्थिति मात्र से किसी को प्रसन्नता मिले यही आदर्श जीवन है।जो आपके पास है उसे समाज के लिए समर्पित कर देना चाहिए। अध्यक्ष आर्य नेत्री उर्मिला आर्या ने कहा कि यदि महर्षि दयानंद न आते तो महिलाओं को सम्मान न मिलता। नारी शक्ति के उत्थान में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने महर्षि दयानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए उनके संदेश को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज स्वामी जी के विचारों की पहले से अधिक आवश्यकता है। गायक नरेश खन्ना, नरेन्द्र आर्य सुमन, पिंकी आर्या, प्रवीना ठक्कर, रजनी गर्ग, रचना वर्मा, दीप्ति सपरा, नताशा कुमार, अशोक गोगलानी, सुदेश आर्या, जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता आदि ने मधुर भजन सुनाये। यह कोराना काल से 584वां वेबिनार था।

'रावण अभी जिन्दा है' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र विरोधी ताकतों को कुचलना है –प्रो. नरेन्द्र आहुजा विवेक

शुक्रवार 20 अक्टूबर 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'रावण अभी जिन्दा है' विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 583 वां वेबीनार था। मुख्य वक्ता प्रो.नरेन्द्र आहुजा विवेक (पूर्व राज्य औषधि नियंत्रक हरियाणा सरकार) ने कहा कि विजयदशमी का पर्व मना कर हम बहुत प्रसन्न होते हैं कि हमने प्रति वर्ष लम्बे होते रावण के पुतले को जला दिया और बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय हुई।लेकिन हमारे भीतर हमारे मन के अंधेरे कोनों में छिपा रावण अट्टाहस लगा कर हंसता है कि वह तो जीवित है हमारे ही भीतर काम क्रोध लोभ मोह ईर्ष्या द्वेष अहंकार आदि कलुषित भावनाओं के रूप में जिंदा है। जब तक समाज में जाति वाद भाषा क्षेत्र ऊंच नीच के वाद विवाद हैं तब तक समझो रावण अभी मरा नहीं हमारे समाज मे जीवित है।जब तक राष्ट्र विरोधी ताकतें मेरे देश की अखंडता सम्प्रभुता पर खतरा बनी हुई हैं तब तक समझो कि रावण अभी मरा नहीं।हमें अपने भीतर मन के अंधेरे कोनों में चोर की तरह छिपे रावण का वध सत्य वैदिक सिद्धान्तों सदाचार से करना होगा।समाज में पाखंड अंध विश्वास आपसी झगड़ों के रावण का वध सत्य के अर्थ के प्रकाश से करना होगा और राष्ट्र विरोधी ताकतों को पराक्रम से कुचल कर रावण का वध करना होगा। मुख्य अतिथि आर्य नेता ओम सपरा व अध्यक्ष आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़) ने भी वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में व्याप्त अनेकों कुरीतियों को मारना ही विजय दशमी मनाना है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया ओर राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका कृष्णा गांधी, आदर्श सहगल, कौशल्या अरोड़ा, सरला बजाज, जनक अरोड़ा, कुसुम भण्डारी, सीमा सोनी आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए।

'मां' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

मां ईश्वर का रूप है –साध्वी कृष्णा मुखी

बुधवार, 18 अक्टूबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'मां' विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 582 वां वेबीनार था। कार्यक्रम का प्रसारण जूम व यूट्यूब दोनों पर हुआ। मुख्य वक्ता साध्वी कृष्णा मुखी ने कहा कि मां ईश्वर का रूप है जो सब कष्ट सहकर भी संतान को जन्म देती है और उसका लालन पालन करती है।आज वृद्ध आश्रम खुल रहे हैं।क्यों वहां किसी की भी मां है?क्यों? यह चिन्ता की बात है।हमें बच्चो को संस्कार देने चाहिए जिससे यह नौबत न आए।उन्होनें माता जीजा बाई आदि कई उद्धारण दिए की माताओं ने संतानों का निर्माण कर देश को रत्न दिए।मां ही संतान का निर्माण कर सकती है लेकिन आज की मां के पास समय नहीं है फिर विकास कैसे होगा? मुख्य अतिथि आर्य नेत्री चन्द्र कांता आर्या व ऊषा सूद ने भी मां के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां ही समाज निर्माण कार्य कर सकती है वह आधार स्तम्भ है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका कृष्णा गांधी, आदर्श सहगल, कौशल्या अरोड़ा, सरला बजाज, जनक अरोड़ा,कुसुम भण्डारी, सीमा सोनी आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

'महर्षि दयानंद जी का त्रिकाल दर्शी मन्तव्य' पर गोष्ठी सम्पन्न

ईश्वर के नाम पर ही असंख्य युद्ध हुए हैं—आचार्य हरिओम शास्त्री

सोमवार, 16 अक्टूबर 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'महर्षि दयानन्द जी का त्रिकाल दर्शी मन्तव्य' विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 581 वां वेबीनार था। वैदिक विद्वान् आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक युद्ध ईश्वर के नाम पर ही हुए हैं।महर्षि दयानन्द सरस्वती ने जीव,ईश्वर और प्रकृति त्रैतवाद के सिद्धान्त को स्वीकार किया है। उन्होनें कहा कि महर्षि दयानन्द जी एक ऋषि थे अतः उनकी शिक्षाएं तीनों कालों में उपयोगी और महत्वपूर्ण हैं। यदि ऋषि के बनाए हुए आर्य समाज के नियमों को ही हम अपने जीवन में अपना लें तो हम मानवता का विस्तार और शुद्धिकरण कर सकते हैं। यदि लोग ईश्वर के सच्चे स्वरूप को जान लेते तो इस प्रकार के जनसंहार से बच सकते थे। इसीलिए उन्होंने आर्य समाज के दस नियमों में पहले दो नियम केवल ईश्वर के स्वरूप को समझाया है।साथ ही अपने अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश का प्रथम समुल्लास ईश्वर विषयक ही लिखा है।ऋषिवर दयानन्द ने अपने दार्शनिक सिद्धान्तों में 'त्रैतवाद' को बहुत ही महत्वपूर्ण ढंग से वर्णन किया है।वे संसार को बनाने वाले निमित्त कारण ईश्वर का,उपादान कारण प्रकृति (सामग्री) का और जिसके लिए बनाया गया है उस सामान्य कारण जीवात्मा को प्रमुख मानते हैं।वे अपने शिष्यों आर्यजनों को संसार का उपकार शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक रूप में करने की प्रमुख रूप में प्रेरणा देते हैं।आगे अन्त में दसवें नियम में सामाजिक सर्वहितकारी नियम पालने में सभी को परतन्त्र रहने और प्रत्येक हितकारी व्यक्तिगत नियम पालने में सबको स्वतन्त्र रहने की शिक्षा देते हैं।यदि हम इन नियमों को मनसा वाचा कर्मणा पालन करते हैं तो ही ऋषिवर दयानन्द जी के शिष्य कहलाने का अधिकार रखते हैं अन्यथा हम उनके प्रति न्याय नहीं करते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेता डॉ. गजराज सिंह आर्य व अध्यक्ष डालेश त्यागी ने भी महर्षि दयानन्द जी के सिद्धांतो को सार्वकालिक बताया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुबई आर्य यात्रा सौल्लास सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'धाम ट्रिप' के सौजन्य से 22 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2023 तक आर्य दुबई भ्रमण यात्रा सोल्लास सम्पन्न हुई। परिषद के शिविरार्थी श्री विवेक आहुजा (आर्य समाज गुड़ मंडी दिल्ली) अब दुबई में ही व्यापार कर रहे हैं उनका स्मृति चिन्ह व ओम पटके से स्वागत करते अनिल आर्य, पिंकी आर्या, आस्था आर्या आदि। द्वितीय चित्र में आर्य यात्री गण।

विकास पुरी में गायत्री यज्ञ सम्पन्न

रविवार 15 अक्टूबर 2023, आर्य समाज ग्रुप हाऊसिंग विकास पुरी दिल्ली के तत्वावधान में गायत्री यज्ञ सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में माता पुष्पलता बर्मा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, द्वितीय चित्र में आर्य नेत्री श्रीमती शकुन्तला जुनेजा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, अशोक कथुरिया, ब्रह्मा आचार्य अनिल शास्त्री व मंत्री नीलम मोंगा।

आचार्य विमलेश बंसल व अंजना गुप्ता का अभिनंदन

आर्य समाज डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में यज्ञ ब्रह्मा आचार्य विमलेश बंसल का अभिनंदन करते अनिल आर्य, अंजु आहुजा, शकुन्तला नागिया, रजनी गर्ग, ममता चौहान आदि व द्वितीय चित्र में हास्य योग गुरु श्री जितेन कोही की धर्मपत्नी श्रीमती अंजना गुप्ता का जन्मोत्सव कोरोनेशन पार्क, निरंकारी कालोनी, दिल्ली में सौल्लास मनाया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य व पिंकी आर्या ने उन्हें ओम का चित्र भेंट कर सम्मानित किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970